शत शत नमन् बापू

"हठ"

प्रचण्ड वैभव,
राष्ट्र का,
अखण्ड एकता
भारत की,
सत्य अहिंसामय
शस्त्रों से,
भगा दिया...
गुलामी को,
स्व लवण का ..
पान कराया,
दांडी यात्रा का..
मान बढाया,
तकली चरखे से..
खादी को लाया,
एक शतक और ..

एक अर्द्ध शतक..
बीत गये हैं बापू,
हठ था आपका,
इत्तेफाक है आज....
जिनके वस्त्रों का..
बहिष्कार किया,
आज उसी लंदन में,
कानफ्लूएंस . .
मना रहा है ...
'जयंती '
आप की . .
खादी से,
आप की ..
खादी से,

शत शत नमन् बापू
-विजय श्रीवास्तव

विजय श्रीवास्तव

Influence
Unification of Skills,Talents and Leadership